दृष्टि The Vision

GEOGRAPHY

Test-10

OPT DTVF-23 **G-2310**

Time Allowed: Three Hours	Maximum Marks : 250

Name: Jatin Kumar **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:**

Center & Date: Online – 19.08.2023 **UPSC Roll No. *(If allotted)*: 6307371**

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** which are printed in **ENGLISH.***

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Q. No.	a	b	c	d	e	Total Marks	Q. No.	a	b	c	d	e	Total Marks
1	7.5	3.5	4	5			5	4	2.5	4.5	4.5	4.5	
2							6						
3	10	6	6.5				7	10	3	6			
4	10	6	6.5				8						

Grand Total 104

D01305

Evaluator (Signature)

Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency
2. Introduction Proficiency
3. Content Proficiency
4. Language/Flow
5. Conclusion Proficiency
6. Presentation Proficiency

---

(1) संदर्भ को समझ ठीक है

(2) भूमिका को समझना ठीक है

(3) विषयवस्तु को समझा, 1 या 2 प्रश्नोत्तर को छोड़कर ठीक है

(4) भाषा शैली ठीक है

(5) निष्कर्ष को और प्रभावी बनाए

(6) प्रस्तुतीकरण ठीक है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

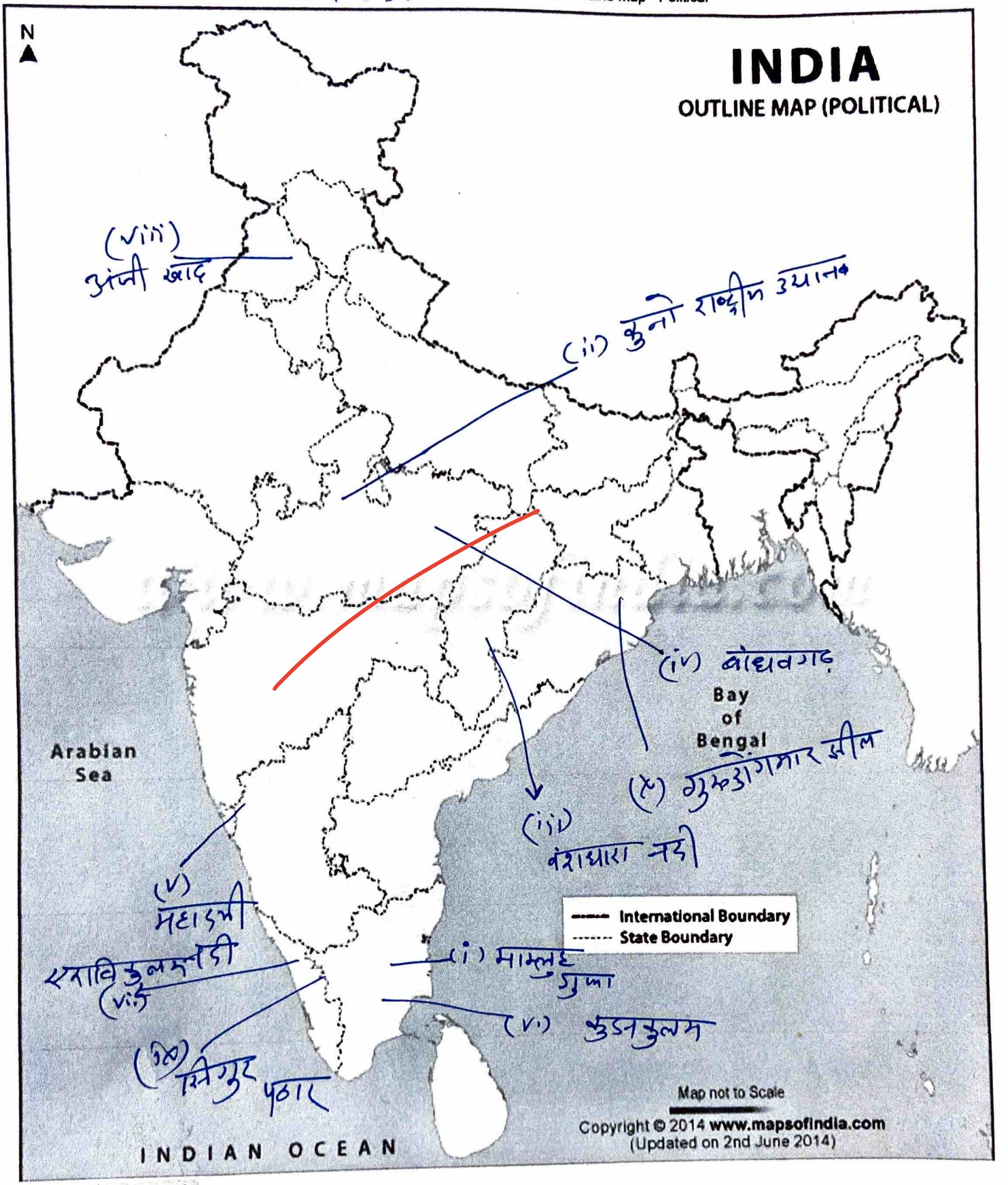

Tweet This

Disclaimer: All efforts have been made to make this image accurate. However Mapping Digiworld Pvt Ltd and its directors do not own any responsibility for the correctness or authencity of the same.

adpushup

9-2310 Geography test-10

UPSC

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

उ① (i) मामल्लपुरम गुफा -

- चोल साम्राज्य से सम्बन्धित
- हाल ही में ग्रामीण प्रशासन से सम्बन्धित अवशेष प्राप्त हुए
- परांतक प्रथम राजा से सम्बन्धित

मेघालय में है

(ii) कुनो राष्ट्रीय उद्यान :-

- मध्यप्रदेश में स्थित
- अफ्रीकी चीतों का भारत में पुनर्वास
- कॉलर स्ट्रैप के कारण कुछ चीतों की मौत

1.5

(iii) वंशधारा नदी :-

आंध्र + - उड़ीसा की महत्वपूर्ण नदी
- बंगाल की खाड़ी में विलय

1

(iv) बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान :-

- मध्यप्रदेश में स्थित
- मध्यप्रदेश में बाघ, हिरण आदि के लिए प्रसिद्ध

1

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(v) कर्नाटक से निकलकर गोवा में प्रवाहित

- कालसा बंडूरी प्रोजेक्ट के कारण चर्चा में 1
- गोवा मे मण्डोवी के नाम से प्रसिद्ध

(vi) तमिलनाडु में स्थित भारत का महत्वपूर्ण परमाणु ऊर्जा संयंत्र

- कावेरी नदी से आवश्यक जलापूर्ति 1

(vii) एराविकुलम केरल में स्थित महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उद्यान है।

- मालाबार सिवेट, गिलहरी आदि जीव पाये जाते है। 1

(viii) अंजीखड़ ब्रिज पंजाब में स्थित

- ~~खास~~ पंजाब के परिवहन हेतु महत्वपूर्ण पुल

जम्मू कश्मीर

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(ix) सिगुर पठार नीलगिरी पहाड़ियों के पास केरल व तमिलनाडु के मध्य स्थित है।

1

(x) गुरुडोंगमार झील महत्वपूर्ण मीठे पानी की झील है।

सिक्किम में

7.5

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

उ (1) (b) भारत में प्रवासन के स्थानिक पैटर्न की विवेचना कीजिये।

प्रवास से अभिप्राय किसी मूल स्थान से अन्य स्थान तक विशेष कार्य के लिए निश्चित समय तक गमन होता है।

भारत के प्रवास का स्थानिक पैटर्न

1. ग्रामीण-ग्रामीण प्रवास –
   - मुख्यतः विवाह उपरान्त महिलाओं से सम्बन्धित
   - अधिकतम प्रवास इसी तरह का
   - रेवेन्स्टीन के मॉडल के अनुरूप

2. ग्रामीण शहरी प्रवास –
   - शहरीकरण के कारण
   - उच्च आय, बेहतर अवसर, रोजगार एवं सुविधाओं की प्राप्ति हेतु

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

- मलिन बस्तियों का निर्माण

(उदा) राजस्थान के किसी गांव से जयपुर अथवा दिल्ली की ओर प्रवास

3 शहरी - शहरी प्रवास -

- छोटे शहर से बड़े शहर में अथवा विपरीत
- सामान्यतः बेहतर पर्यावरणीय परिस्थितियों एवं सामाजिक सम्बन्धों के कारण

(उदा) जयपुर से दिल्ली की ओर

4. शहरी - ग्रामीण प्रवास -

- सुपर एडवांस्ड समाज मे (जेलिस्क)
- सरकारी कार्यों से सेवानिवृत्ति के उपरांत शांति की तलाश में
- बेहतर पर्यावरणीय स्थितियां एवं सामाजिक स्थिति हेतु -

(उदा) दिल्ली से अपने पैतृक स्थानों की ओर

प्रवास विभिन्न चरणों में जनांकिकी को प्रभावित करता है। अतः प्रवास के स्थानिक पैटर्न का प्रबन्ध आवश्यक है।

अंतर राज्यीय एवं अंतः राज्यीय प्रवास

3.5/10

आर्थिक पैटर्न

कोविड के कारण प्रवास

आधुनिक कारण

सरकारी नीतियां

UPSC

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

प्र 1 (c)

शहरी भारत गंभीर जल संकट की ओर बढ़ रहा है। आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये।

भारत की 31% जनसंख्या शहरी क्षेत्रों मे निवास करती है। एक अनुमान के अनुसार 2030 तक यह संख्या 60% होने की संभावना है।

भूमिका लिखिए

शहरी भारत मे गहराता जल संकट :-

1. अत्यधिक जनसंख्या -
 - लगभग 40 करोड़ शहरी जनसंख्या के लिए पेयजल आपूर्ति मुश्किल

2. पेयजल की गुणवत्ता :-
 - रासायनिक उर्वरकों एवं खनन क्रिया के उपलब्ध जल संसाधन भी अनुपयुक्त हैं।

3. जल का पुनरुपयोग नहीं -
 - पुनर्चक्रण हेतु संयंत्रों एवं

जागरूकता का अभाव

4. मुक्त पानी आपूर्ति -

- जनता को पानी बचाने हेतु मोटीवेशन नहीं

5. कंक्रीटीकरण -

- शहरी क्षेत्रों में आर्द्रता की कमी के कारण बारिश में कमी

अन्य → शहरीकरण में वृद्धि एवं बुनियादी ढांचे में कमी के कारण

मूल्यांकन -

- भारत सरकार द्वारा 'हर घर जल' - 2024 तक - योजना → 2023 तक 64% घरों में नल से जल की आपूर्ति

- वन वाटर अप्रोच पर कार्य

- अमृत 2.0 - ग्रे वाटर का पुनरुपयोग

ग्रीन वाटर एवं ग्रे वाटर इंफ्रास्ट्रक्चर

पानी को लेकर संघर्ष → विभिन्न राज्यों के बीच - कावेरी विवाद

भारत की बढ़ती जनसंख्या को पेयजल उपलब्ध करवाना एक चुनौती है जिसे सरकारी एवं NGO के सहयोग से जनभागीदारिता द्वारा पूरा किया जा सकता है।

4/10

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

1 (a) भारत की धार्मिक संरचना पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

भारत विभिन्न धर्मों - हिन्दु, मुस्लिम, बौद्ध, जैन आदि का एक विविध समूह है। सभी धर्म अपनी मूल संरचना को बनाने में कामयाब रहे हैं।

भूमिका ठीक है

1. हिन्दु धर्म :-
   - भारत में सर्वाधिक लोग हिन्दु धर्म को मानने वाले (84%)
   - विस्तार - उत्तरी भारत से दक्षिणी भारत तक

किस वर्ष की जनगणना के अनुसार यह भी बताएं

2. मुस्लिम धर्म -
   - भारत का सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समुदाय (14.2%)
   - विस्तार - मुख्यत: राजस्थान, हरियाणा के कुछ क्षेत्र, जम्मू कश्मीर

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

3. सिख धर्म :-
- जनसंख्या - 1.7%.
- मुख्यतः पंजाब क्षेत्र, इसके अतिरिक्त राजस्थान में भी
- पंजाब में 60% से अधिक

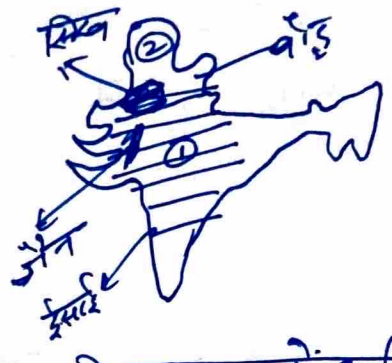

चित्र: भारत में धर्म

4. ईसाई धर्म -
- मुख्यतः अंग्रेजी प्रभुत्व के बाद आगमन
- जनसंख्या - 2.3%
- क्षेत्र - गोवा, पुडुचेरी आदि

5. जैन धर्म -
- राजस्थान, गुजरात के कुछ क्षेत्र
- जनसंख्या 0.4%.

6. बौद्ध धर्म - जनसंख्या 0.6%.
- लद्दाख क्षेत्र

7. पारसी समुदाय - 0.05% जनसंख्या

भारत विभिन्न धर्मों के प्रति हमेशा निरपेक्ष रहा है। सभी धर्मों ने एक अखण्ड भारत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

5/10

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(3) (a)

गुहा द्वारा भारतीय जातियों के वर्गीकरण का संक्षिप्त विवरण दीजिये।

जी. एस. गुहा ने भारतीय जातियों का वर्गीकरण प्रदर्शित किया। इससे पूर्व 1891 में रिस्ले ने भी जातियों का एक वर्गीकरण प्रस्तुत किया था।

जी. एस. गुहा के वर्गीकरण के आधार:

1. बालों की प्रकृति → सीधे
   → घुंघराले
   → गहरे
2. माथे का प्रकार → सपाट
   → चौड़ा
3. व्यक्ति की लम्बाई → अधिक
   → कम
4. नाक → लम्बी
   → छोटी
   → चपटी
5. शारीरिक → बलिष्ठ
   → नाजुक
6. आँखे → भूरी
   → काली
   → गहरी

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

बी. एस. गुहा. का वर्गीकरण :-

1. नॉर्डिक :-

- उत्तरी भारत में
- विशेषकर - जाट, अहीर, सिख आदि
- विशेषताएं - लम्बा चौड़ा शरीर, काली आंखें, भूरी त्वचा

राजपूतों एवं ब्राह्मणों की ऊंची जातियों के बीच

2. नेग्रिटो -

- अंडमान निकोबार की कुछ प्रजातियां, तमिलनाडु के कुछ क्षेत्र
- विशेषता - काली त्वचा, frizzy बाल, छोटा कद

(भारत में सबसे पहले आए

3. प्रोटो - ऑस्ट्रेलायड :-

- भारत के मध्यवर्ती क्षेत्र में उदा - संथाल, गोंड, ओरांव, मुंडा आदि लोग
- विशेषताएं :- काली से भूरी त्वचा, घुंघराले बाल, आदिम संस्कृति

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

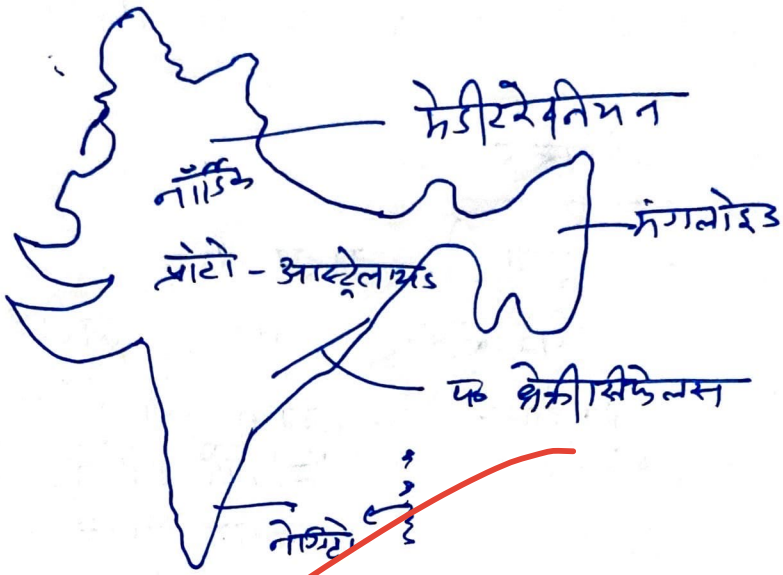

चित्र: भारत में races
(B.S. गुहा)

4. <u>मेडिटेरेनियन</u> :-

(i) <u>पेलियो मेडिटेरेनियन</u> - जम्मू कश्मीर, असम के कुछ क्षेत्र

(ii) <u>सत्य मेडिटेरेनियन</u> - उ. भारत, शिवालिक हिमालय के पास

(iii) <u>ऑक्सिडेंटल मेडिटेरेनियन</u> - NE भारत में

<u>विशेषताएं</u> - भूरी से श्वेत त्वचा, सुनहरे बाल, चौड़ा माथा

केरल में भी मिलते है

5. <u>मंगलोइड</u> -

(i) <u>पेलियो मंगलोइड</u> - पं. बंगाल, उड़ीसा के क्षेत्रों में

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(ii) तिब्बती मंगलोइड - उ. पूर्वी भारत में

विशेषता - श्वेत त्वचा, छोटा कद, सपाट व चौड़ा माथा, छोटी आंखे

(c) पश्चिमी ब्रैकीसिफेलस -

(i) अल्पाइनाइड - गुजरात व महाराष्ट्र

(ii) दिनारिक - कुर्ग, काठियावाड़

(iii) आर्मेनाइड - महाराष्ट्र, प. बंगाल, उड़ीसा आदि

भारतीय समाज विभिन्न संस्कृतियों को बसाये हुए है। हालांकि कोई भी समाज व संस्कृति स्थायी नहीं है बल्कि अन्तरजातीय विवाह के कारण सब मिश्रित हो चुके हैं।

कोटेशन का समझ उपलब्धि है

10/20

Page

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

Q. (3) (b) भारत में धर्म कभी भी चरित्र में स्थिर नहीं रहा है, बल्कि एक अंतर्निहित गतिशील शक्ति से संचालित होता है। चर्चा कीजिये।

भारत में धर्म का प्रकार ऐतिहासिक काल से ही परिवर्तित होता रहा है। धर्म से तात्पर्य आस्थाओं, विश्वास व मान्यताओं से है।

भूमिका ठीक है

① पूर्व वैदिक काल में धर्म :-

- मुख्यत: प्रकृति की पूजा
- इन्द्र, अग्नि, वरूण आदि देवताओं को पूजा जाता था
- महिलाओं का समान स्थान
- ब्रह्मा से चार वर्ण - ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र की उत्पत्ति

सूर्य और चंद्रमा की पूजा

② उत्तर वैदिक काल में धर्म :-

- मुख्यत: प्रजापति की पूजा
- पूर्व वैदिक काल के देवताओं की पूजा नहीं

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

- महिलाओं का निम्न स्थान
- अस्पृश्य लोगों का नामकरण → मुख्यतः शिकारी व संग्राहक
→ बुद्ध व जैन धर्म का आगमन

③ मध्य ऐतिहासिक काल :-

- मध्य एशियाई आक्रमणकर्ताओं का आगमन
- मुख्यतः इस्लामिक धर्म के
- हिन्दु व इस्लाम का संसर्ग
- अकबर के काल में समान महत्व

④ अंग्रेजों का शासनकाल :-

- ईसाई मिशनरियों का आगमन
- भारतीय हिन्दुओं व मुस्लिमों का धर्म परिवर्तन
- विभिन्न धर्मों का समन्वय

⑤ आधुनिक भारत :-

- पंथनिरपेक्षता, लोकतंत्र को अधिक महत्व
- तार्किकता का सिद्धान्त

धार्मिक आंदोलनों → बौद्ध जैन की चर्चा करें
- शैव/ वैष्णव धर्म

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

- वैश्वीकरण के कारण धन का महत्व न्यून
- सामाजिक मूल्यों, धार्मिक आस्था में परिवर्तन
- भारत का धर्मनिरपेक्ष स्वरूप
- सभी को समान धार्मिक अधिकार
- अनु 25, 26, 27, 28 के तहत
- अल्पसंख्यकों को विशेष अधिकार

चुनौतियां → असहिष्णुता का जन्म
अल्पसंख्यकों के प्रति हिंसा
हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग
मॉब लिंचिंग

भारत ने विविध आक्रांताओं को झेला है एवं विविध धार्मिक अपवादों का गवाह रहा है किन्तु भारत सभी धर्मों को साथ लेकर विविधता में एकता स्थापित करने का पर्याय बना हुआ है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

प्र० 3 C

उन कारकों का परीक्षण कीजिये जो भारत के अक्सर शहरी बाढ़ की घटना का कारण बनते हैं।

शहरी बाढ़ से आशय शहरी क्षेत्रों में पानी के स्तर का बढ़ना एवं सड़कों पर प्रवाहित होना है। इसके प्राकृतिक व मानवीय कारण हो सकते हैं।

शहरी बाढ़ के कारण :-

1. **प्राकृतिक कारक :-**

(i) **अतिवृष्टि :-**

- हाल ही में गर्मी के मौसम में तीव्र बारिश के कारण उ० भारत में आयी बाढ़ जैसे- दिल्ली

(ii) **वैश्विक ऊष्मन :-**

- तापीय वृद्धि के कारण नदियों में बढ़ता जलस्तर

(iii) **बादल फटना :-**

- हाल ही में हिमाचल प्रदेश में फ्लैश फ्लड

झीलों की कमी से अतिरिक्त पानी का संग्रहण नहीं :-

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

2. मानवीय कारण :-

(i) अपशिष्टों का कुप्रबंधन :-

- हाल ही में जारी अपशिष्ट कुप्रबंधन सूचकांक के अनुसार भारत में 97% अपशिष्ट कुप्रबंधित होता है।
- भारत विश्व के शीर्ष 10 देशों के शामिल है जो अपशिष्ट कुप्रबंधन के 52% के लिए जिम्मेदार है।

कृषि भूमियों पर कालोनियों का विकास

(ii) अनियोजित नगर विकास :-

- शहरी जल निकास की अनुचित व्यवस्था
  उदा. गुड़गाँव की बाढ़

(iii) नालों का अवरुद्ध होना -

- प्लास्टिक का अधिक प्रयोग
- भौतिकतवादी प्रवृत्ति

(iv) कंक्रीटीकरण -

- पानी के मृदा में निस्यंदित होने के लिए जगह नहीं
- अत: पानी सतह पर ही रहता है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(v) बढ़ती जनसंख्या हेतु आवास -

- बाढ़ सुभेद्य क्षेत्रों में आवास निर्माण
(उदा०) उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्रों में

बाढ़ रोकने के उपाय :-

- उचित शहरी नियोजन (जैसे) चंडीगढ़
- अपशिष्ट प्रबंधन नीतियाँ
- जनजागरूकता
- सुप्रवाहित सड़कों का निर्माण
- काउड डाटा सोर्स की उपयोगिता
(उदा०) - मुम्बई में
- प्लेसमेकिंग उदा० पिंपरी चिंचवाड़

सरकारी प्रयास -

- स्मार्ट सिटी परियोजना
- AMRUT - शहरी पुनर्विकास के लिए
- फ्लड वॉच एप - बाढ़ की रियल टाईम जानकारी
- अर्ली वार्निंग सिस्टम

शहरी बाढ़ मुख्यतः मानवीय कारकों का प्रतिफल है। इसे स्थानीय स्तर पर उचित बुनियादी ढांचे के निर्माण द्वारा इसे रोकने की आवश्यकता है।

विश्लेषण को समझने की आवश्यकता है

6.5 / 15

(Please do not write anything except the question number is this space) कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए! Candidates must not write on this margin.

(5) (9) वैश्वीकरण ने भारतीय जनजातियों को किस प्रकार प्रभावित किया है? उपयुक्त उदाहरणों के साथ इस मुद्दे पर चर्चा कीजिए।

वैश्वीकरण से आशय

भूमिका ठीक है

उस परिस्थिति से है जब आधुनिक राजनीतिक सीमाएँ गौण हो जाती हैं एवं व्यक्तियों की पहुँच विश्व के सभी देशों तक हो जाती है।

- आज सम्पूर्ण विश्व वैश्वीकृत हो चुका है जिससे किसी एक देश की स्थिति का असर अन्य देश पर अवश्य ही पड़ता है।

भारतीय जनजातियां :-

- जनसंख्या - लगभग 8%
  साक्षरता 59% → पुरुष 69%
  → महिला 49%
  लिंगानुपात 990
  ग्रामीण क्षेत्र → 90% जनसंख्या
  शहरी क्षेत्र → 10% जनसंख्या
- भारतीय राष्ट्रपति के पास किसी क्षेत्र को अनुसूचित क्षेत्र घोषित करने की शक्ति

वैश्वीकरण का भारतीय जनजातियों पर प्रभाव :-

- वैश्वीकरण से भारतीय जनजातियाँ सकारात्मक व नकारात्मक रूप से प्रभावित हुई है।

सकारात्मक प्रभाव :-

1. पहुँच में वृद्धि :

- ऑनलाईन साधनो के कारण विश्व के विभिन्न कोनो तक पहुँच

2. विकास की राह में योगदान
3. साक्षरता में वृद्धि - 59%
4. मुख्य धारा मे विलय के प्रयास
5. लघु वनोत्पादों का निर्यात एवं आजीविका हेतु प्रयोग
6. जनजातियों को वन अधिकार प्रदान
7. पर्यटन सुविधाओं के वृद्धि से इनकी आजीविका में वृद्धि (उदा॰) जम्मू-कश्मीर
8. पारम्परिक ज्ञान को मान्यता (उदा॰) डिजीटल लाइब्रेरी
9. उत्पादों, अंजनो, भाषा की वैश्विक पहचान

विवरण कम ठीक है

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

नकारात्मक प्रभाव -

1. NCRB के अनुसार अपराधों में 30% से अधिक की वृद्धि
2. अंडमानी क्षेत्रों तक पर्यटन जिससे सांस्कृतिक मामलों में हस्तक्षेप
3. जनजातीय क्षेत्रों का अधिग्रहण → MNC द्वारा अथवा विकास हेतु
4. वनोत्पाद के निर्यात की बजार पर निर्भरता एवं पूर्ण मूल्य की प्राप्ति नहीं (MSP-हेरी द्वारा निर्धारित सूत्र के अनुसार)
5. सांस्कृतिक मामलों में हस्तक्षेप
6. जनजातीय भाषाओं में वैश्विक रुझान से भाषाओं पर संकट
7. जनजातीय लोगों के शोषण में वृद्धि - विशेषकर महिला व बाल तस्करी में
8. जनजातीय समुदाय 45% BPL
   ↓
   भूमिहीन श्रमिक के रूप में

जनजातियों का विस्थापन
अन्य प्राप्त बौद्धिक सम्पदा आदि पर
स्वास्थ्य की समस्याएं

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

प्रयास :-

1. वनोत्पाद पर MSP
2. वन धन विकास केन्द्र
3. अनुसूची 5 व 6 (V, VI)
4. PESA अधिनियम, 1996
5. वन अधिकार अधि. 2006

आगे की राह :-

- नेहरू का जनजातीय पंचशील

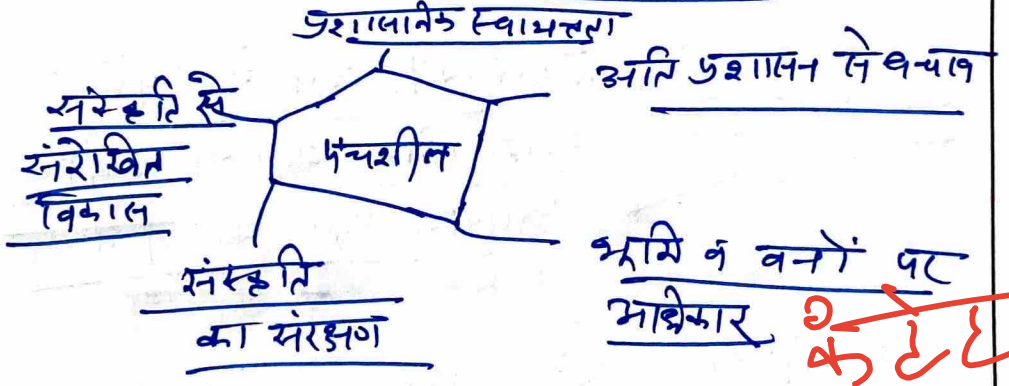

जनजातियाँ, भारतीय समुदाय का अभिन्न हिस्सा है इन्हें वैश्वीकरण के नकारात्मक प्रभावों से बचाकर मुख्य धारा से एकाकार करने के प्रयास अपेक्षित है।

10/20

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

उ० 5 (b)

'जनसंख्या और संसाधनों के बीच संबंध अत्यधिक जटिल है।' टिप्पणी करो।

भूमिका ठीक है

किसी विशेष प्रदेश में विशेष समय पर रहने वाले जनन योग्य जीवों की संख्या जनसंख्या कहलाती है। यह जनसंख्या अपने जीवन यापन एवं विकास के लिए विभिन्न संसाधनों का उपयोग करती है।

संसाधन → तकनीकी रूप से पहुँच
→ सामाजिक रूप से स्वीकार्य
→ आर्थिक रूप से वहनीय

जनसंख्या और संसाधनों के मध्य सम्बन्ध:-

① नवीकरणीय संसाधन व जनसंख्या:-
- तीव्र वृद्धिशील जनसंख्या हेतु अति आवश्यक
- मुख्यतः सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा आदि

② गैर-नवीकरणीय संसाधन:-
- आधुनिक जनसंख्या की अति-निर्भरता

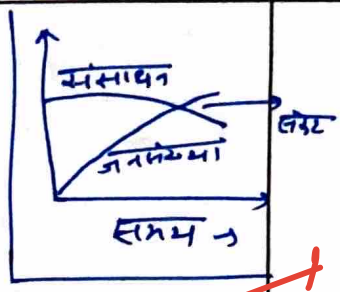

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए! Candidates must not write on this margin.

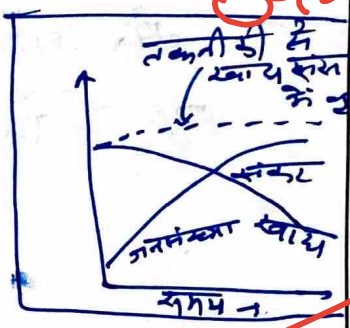

- समाप्ति पर जनसंख्या पर संकट

③ खाद्य संसाधन :-

- सर्वाधिक महत्वपूर्ण
- माल्थस के अनुसार खाद्य संसाधन समगणितीय जबकि जनसंख्या ज्यामितीय गति से बढ़ती है।
- तकनीकी द्वारा खाद्य संसाधन में वृद्धि संभव

  (उदा॰) हरित क्रांति, उच्च लब्धि बीज, GM फसलें आदि

- न्यूनता की स्थिति में खाद्य संकट

④ मानव संसाधन :-

- बढ़ती जनसंख्या के साथ वृद्धि किन्तु समुचित उपयोग केवल कौशल विकास के साथ ही सम्भव

⑤ सीमित संसाधन :-

- जल संसाधन, खनिज संसाधन आदि
- समयानुरूप इन्हें बचाने हेतु कोशिश

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

करनी चाहिए।

~~संरक्षण~~ का समापन तय है
वैकल्पिक स्रोतों की ओर ~~ध्यान~~ देने की आवश्यकता

मूल्यांकन :-

- संसाधन जनसंख्या के लिए अत्यावश्यक
- संसाधनों का संरक्षण, पुनरुपयोग एवं नियमन आवश्यक

अतः जनसंख्या व संसाधन ~~जटिल~~ सम्बन्ध बनाते हैं। समय व ~~तकनीकी~~ के अनुरूप कुछ संसाधनों की मात्रा में वृद्धि संभव है। इससे ~~किसी~~ जनसंख्या को संसाधन आपूर्ति की जा सकेगी।

जनसंख्या और संसाधन में प्रत्यक्ष संबंध नहीं है बल्कि प्रौद्योगिकी के कारण है इसे कहा गया है

6/15

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

5 (c)

हाल के वर्षों में शहरी ऊष्मा द्वीपों का मुद्दा तेजी से बढ़ रहा है। इसके अन्तर्निहित कारणों और उनके प्रभावों पर चर्चा करें।

शहरी क्षेत्रों में बनावट एवं प्राकृतिक क्रियाविधियों के कारण शहरी ऊष्मा द्वीप का निर्माण होने लगा है। शहरी ऊष्मा द्वीप से आशय शहर का ऐसे तापीय पिण्ड में परिवर्तन होना है जो अत्यधिक तापमान को संग्रहित करता है।

भूमिका ठीक है

हाल के मुद्दे :-

कारण

- शहरी क्षेत्र दिल्ली में ताप वृद्धि से गर्मी के दौरान दिल्ली ताप-द्वीप में परिवर्तित हो जाती है।

- बेंगलुरु में इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के विकास के कारण

- मुम्बई में परिवहन साधनों की अधिक संख्या के कारण मुम्बई भी ताप-द्वीप के परिवर्तन हो रहा है।

विकिरण के अवशोषण से चिनाई (सीमेंट का प्लास्टर) की लागत का

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

तापमान वृद्धि ज्यादा है

शहरी ऊष्मा द्वीप के कारण :-

1. कंक्रीटीकरण :-
   अत्यधिक कंक्रीट के कारण ताप को अवशोषित करने की क्षमता अधिक

चित्र: ऊष्माद्वीप

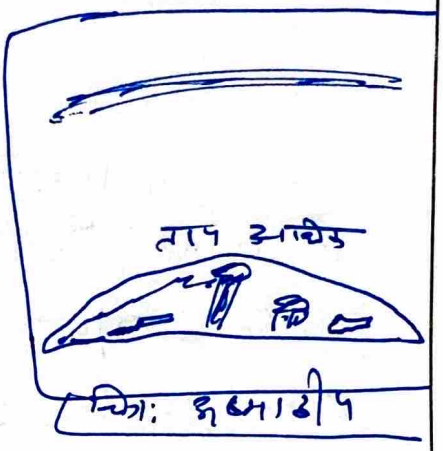

2. आर्द्रता कारकों का अभाव :-
   - शहरी नालों का ढका रहना
   - पारम्परिक खुले जल स्रोतों का अभाव
3. उच्च परिवहन घनत्व :-
   - निजी परिवहन साधनों का प्रभाव
   - पुराने परिवहन साधनों
4. औद्योगिक इकाईयां :-
   - शहरी क्षेत्र में PM 2.5, PM 10 के अधिक होने के कारण ऊष्मा का अधिक अवशोषण
5. नवीन कांचयुक्त इमारतों का निर्माण :-
   - ऊष्मा का वायुमण्डल में परावर्तन
   - ऊष्मा से वायुमण्डलीय ताप वृद्धि
6. पौधों की न्यूनता
   - बारिश की कमी

आर्द्रता/मानसून कमी के कारण

Page

शहरी ऊष्मा द्वीप के प्रभाव :-

1. व्यक्तियों पर :-
- मानसिक अशांति, चिड़चिड़ापन, अवसाद आदि
- शारीरिक उत्पादन क्षमता में ह्रास
- रोग जैसे सिरदर्द, चक्कर आना आदि

2. हीट वेव्स -
- 45°c से अधिक तापमान होने पर

3. वर्षा की न्यूनता -
- आर्द्रता की कमी के कारण वर्षा में कमी

4. आर्थिक वृद्धि पर प्रभाव -
- हीट द्वीप के प्रभावों को कम करने के लिए अधिक व्यय अतः गरीबी, शिक्षा आदि के व्यय में कटौती

5. गरीबों पर अधिक प्रभाव → आय में कमी

हीट द्वीप मानवीय कारकों से निर्मित होते हैं। इन्हें आर्द्र क्षेत्र विकास से बनने से रोका जा सकता है।

अन्य प्रभाव
ताप संतुलन
ऊर्जा
बिजली की आपूर्ति
प्रभावित होने लगती है

6.5/15

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

5 (a)

भारत के ग्रामीण आवासों की आकृति विज्ञान की व्याख्या करते हुए इस परिवर्तन के कारणों पर प्रकाश डालिए।

भारत मे ग्रामीण आवासों मे आकारिकी से आशय घरों, गलियों के विन्यास, कृषि भूमि की अवस्थिति आदि से है।

1. भौतिक आकारिकी -

- सामान्यतः किसी जल स्रोत के चारो ओर विकसित
- केन्द्र में जमींदार का घर
- उसके चारों ओर सेवा प्रदानकर्ता श्रमिक
- खेतों की स्थिति बाहर की ओर

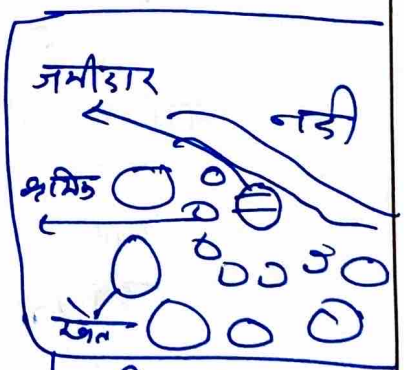

चित्र: भौतिक आकारिकी

2. कार्यात्मक आकारिकी :-

- मुख्य कार्यशील जनसंख्या जैसे: श्रमिक आदि केन्द्र मे
- सब्जी, दूध आदि का क्षेत्र
- खेती करने वाले कृषक

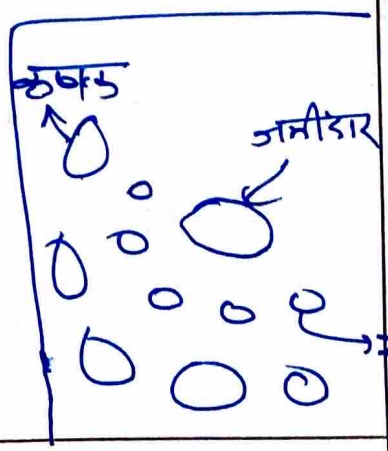

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

3. सामाजिक आकारिकी :-

- केन्द्र में मुख्यतः धार्मिक स्थल या जमींदार का घर
- उसके चारों ओर उच्च वर्ण के लोग
- निम्न वर्ण के लोग बाहर की ओर

चित्र: सामाजिक आकारिकी

परिवर्तन के कारण :-

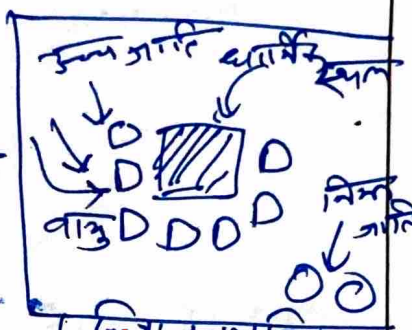

- प्रवास के कारण आकारिकी में बदलाव
- शिक्षा एवं तकनीकी का प्रभाव
- तर्कसंगतता एवं संवैधानिक अधिकार
- वैश्वीकरण का प्रभाव
- जाति व धर्म को कम महत्व
- फार्महाउस संकल्पना
- व्यक्तिगतता को प्रोत्साहन

ग्रामीण आकारिकी में संकेन्द्रीय से क्षेत्रीय एवं बहु नाभिकीय रूप में परिवर्तन देखने को मिले हैं।

आधुनिक काल के कारण
- एकल परिवारों में वृद्धि
कृषि यंत्रों के माध्यम में कमी
पर्वतीय क्षेत्रों से प्रवास के कारण गांव विरान हो गए हैं

4/10

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

5 (b)

सांस्कृतिक विशेषताओं के आधार पर क्षेत्रों का वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए।

सांस्कृतिक विशेषताओं के आधार पर एथनिक क्षेत्रों में भारत का विभाजन किया जा सकता है। एथनिसिटी से आशय संस्कृति के समिलित प्रभाव से है जिसमें त्यौहार, पहनावा, खान-पान आदि सम्मिलित किये जाते हैं।

1. इंडो-आर्यन संस्कृति :-

- भारत के उत्तरी क्षेत्र में विस्तृत
- प्रदेश - पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, उत्तरप्रदेश आदि क्षेत्र

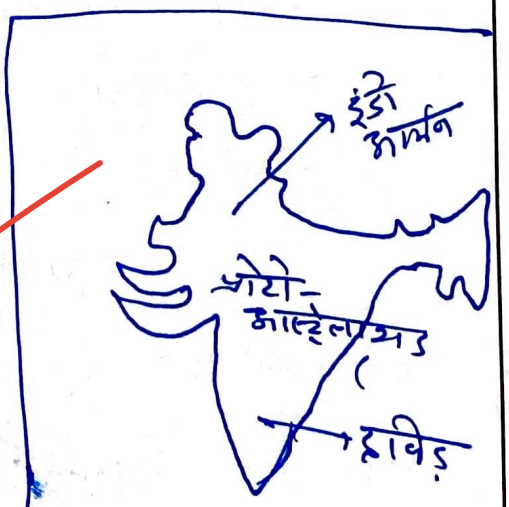

चित्र: भारत में सांस्कृतिक विशेषताएं

- लगभग समान संस्कृति
- मुख्यधर्म - हिंदु
- खानपान - सर्वाहारी

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

2. ऑस्ट्रो - एशियाटिक -

- मध्यवर्ती भारतीय क्षेत्र
- विस्तार - मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, प. बंगाल, बिहार, उड़ीसा
- मुख्य धर्म - हिन्दु
- त्योहार - गणेश उत्सव, दुर्गा पूजा, लक्ष्मी आदि।

3. द्रविड़ियन :-

- दक्षिणी भारतीय भू-भाग
- विस्तार - तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना
- मुख्यत: हिन्दु धर्म किन्तु मुस्लिम व ईसाई भी
- त्योहार - ओणम, पोंगल आदि

भारत सांस्कृतिक विशेषताओं के आधार पर स्पष्टत: विभाजित नहीं है अपितु सभी संस्कृतियां प्रत्येक क्षेत्र में पायी जा सकती हैं।

2.5/10

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

5 (d) भारत में पाये जाने वाले ग्रामीण पैटर्न पर उदाहरण सहित चर्चा करो।

ग्रामीण बस्तियां भारत में विभिन्न प्रतिरूपों में पायी जाती हैं जिसका कारण संसाधनों की उपलब्धता, अवरोध, मृदा की उत्पादकता आदि है।

ग्रामीण ठीक है

भारत में ग्रामीण पैटर्न :-

1. **वृत्ताकार प्रतिरूप :-**
- किसी जल संसाधन या जमींदार के घर के चारों ओर
उदा. राजस्थान के मरुस्थलीय क्षेत्र

2. **वर्गाकार –**
- जहां सड़कें चौराहे पर काटती हैं
- उदा. अधिकतर नियोजित शहरों के निकट गाँव

3. **रेखीय :-**
- किसी नदी के समानान्तर
उदा. गंगा के सहारे

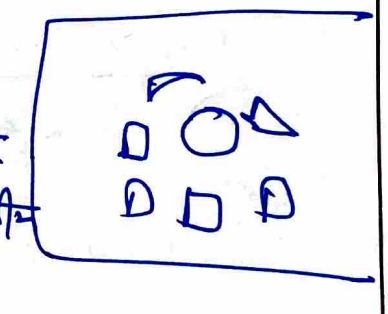

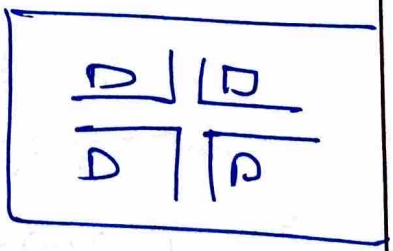

सटीक चर्चा का प्रयास है

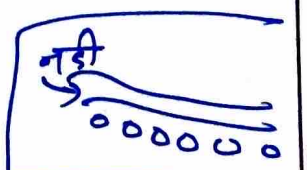

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

4. जूते की डोरी सदृश :-

- किन्हीं पहाड़ियों के दोनों ओर परस्पर एक के बाद एक बस्तियां

उदा. हिमालयी क्षेत्र

5. त्रिभुजाकार प्रतिरूप

- जब दो सड़कें इस तरह मिलें कि एक कोण का निर्माण हो जाये

6. T आकार या L आकार

समकोण पर सड़क काटने पर

7. ताराकार प्रतिरूप

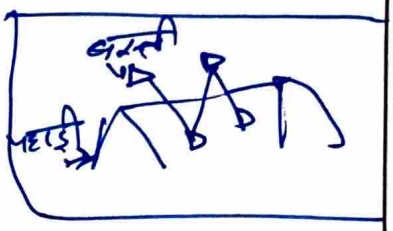

- तारा रूप के बस्तियों का अवस्थित क्रम

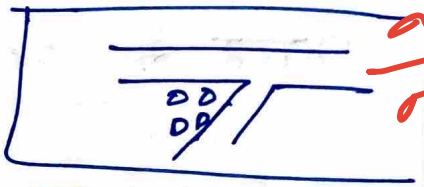

भारत के बस्तियां विभिन्न कारकों पर आधारित हैं। इनसे बस्ती निर्माण एवं विकास प्रभावित होता है।

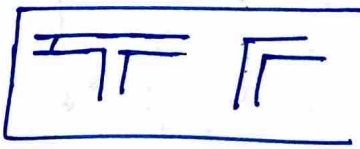

सीढ़ीदार पैटर्न

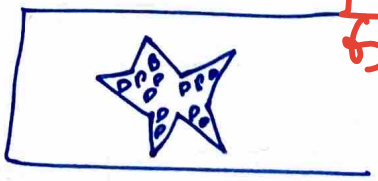

अन्य जै. नैदुल्ला पैटर्न → धार्मिक केन्द्र के चारों ओर जैसे उत्तराखण्ड हिमाचल में

4.5/10

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

5 (d)

भारत के विभिन्न प्रकार की ग्रामीण बस्तियों का वर्णन कीजिए। दिखाएँ कि वर्तमान समय में यह पैटर्न किस प्रकार बदल रहा है।

परिचय ... दीजिए

ग्रामीण पैटर्न से आशय ग्रामीण क्षेत्रों में पायी जाने वाली बस्तियों की सहतता एवं उनके विन्यास से है।

1. **केन्द्रित ग्रामीण बस्ती:-**

- सामान्यतः किसी जल स्रोत के चारों ओर निर्मित

चित्र: केन्द्रित

कारण - ऐतिहासिक
- वंश की समानता
- जल स्रोत की उपलब्धता
- सुरक्षा आदि

→ $R_n = 0$

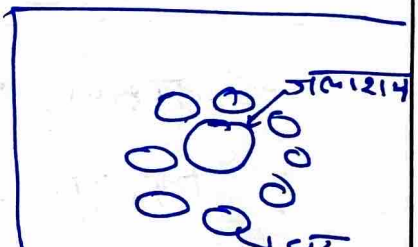

तरीके-
1. Nearest Neighbour approach (R_n)
2. Coefficient of dispersal method

उदा. - गंगा के मैदान, राजस्थान का पूर्वी भाग आदि

2. **अर्द्ध सहत ग्रामीण बस्ती:-**

- छोटे-छोटे गुच्छेनुमा आकार में बस्तियों का विस्तार

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

कारण - जनसंख्या वृद्धि
- भूमि बंटवारा

→ $R_n \to 1.5 - 2.5$

उदा० - पहाड़ी क्षेत्र, बुंदेलखण्ड व बघेलखण्ड के क्षेत्र आदि

चित्र: अर्द्धसंहत बस्ती

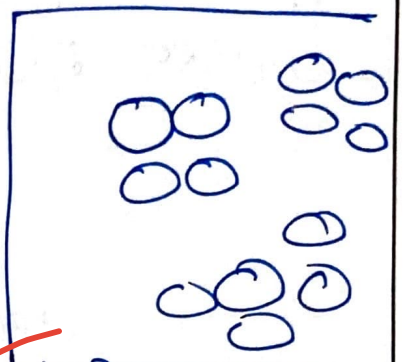

③ प्रकीर्णित ग्रामीण बस्ती:-

→ कोई विशेष जलस्रोत की अनुपलब्धता
- अनियमित रूप से बिखरे हुए

है मतलब

चित्र: प्रकीर्णित बस्ती

→ $R_n > 2.5$

उदा० मरुस्थलीय क्षेत्र, सघन वन आदि

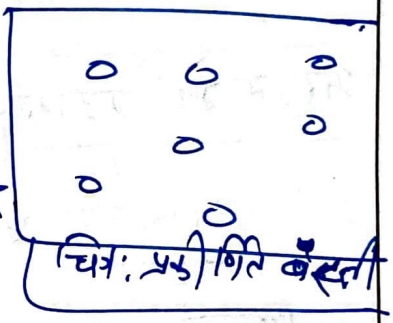

परिवर्तन

प्रकीर्णित → अर्द्ध संहत → केन्द्रित

भारत के विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न प्रकार का ग्रामीण बस्ती मिलती है जो समय के अनुसार परिवर्तित होती रहती है।

विषय वस्तु की समझ ठीक है

4.5/10

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

5 e

भारत की आयु संरचना पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

भारत की औसत आयु 28.2 वर्ष है एवं भारत विश्व के युवा देशों में से एक है।

भूमिका ठीक है

भारत की आयु संरचना :-

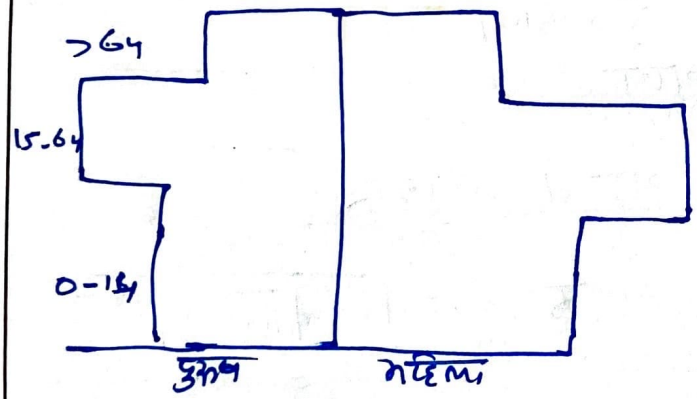

भारत का आयु पिरामिड -

भारत की कुल जनसंख्या - 130 करोड़

पुरुष - 51%

महिला - 49%

0-15 वर्ष के आयु वर्ग - 26%

15-64 वर्ष - 67%

>64 अधिक आयु 7%

आयु संरचना
- जन्म दर
- मृत्यु दर
- मौत युवा जनसंख्या
चर्चा करें
ठीक है

Page

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

1. 0-14 वर्ष के आयु वर्ग :-

- भारत ने सकल प्रजनन दर में उल्लेखनीय कमी की है – 2.0
- भारत की जनसंख्या में लगभग स्थिरता की स्थिति → 2045 तक
स्थिरता के लिए जनसंख्या नीति 2000

2. 15-64 वर्ष :-

- भारत के पास लगभग 67% जनसंख्या का जनांकिकीय लाभांश उपस्थित
- औसत आयु में भारत (28.2), चीन (27 से आगे)

3. 65 वर्ष से अधिक आयु :-

- औसत जीवन प्रत्याशा 70 वर्ष
- 65 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के
- अनुभव अधिक आवश्यक
- SACRED, SAGE योजना

भारत रोजगार युक्त GDP वृद्धि को प्रोत्साहन एवं जनांकिकीय लाभांश को कौशल प्रदान कर HDI इंडिकेटर में सुधार कर सकता है (2021 में 132)

1961 के बाद से इसमें वृद्धि देखी गई

4.5/10

Page

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

7 (a) भारत में शहरी प्रसार के कारणों और उससे उत्पन्न होने वाली समस्याओं का वर्णन करो।

शहरीकरण से आशय, शहरों मे रहने वाली जनसंख्या में वृद्धि है (विश्व बैंक)। भारत की 31% जनसंख्या शहरों में निवास करती है। 2050 तक इसके 50% तक होने की संभावना है।

भूमिका ठीक है

शहरी प्रसार के कारण :-

- शहरी प्रसार से आशय शहरी क्षेत्र का निकटवर्ती क्षेत्रों तक प्रसार होने से है जैसे दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र धीरे-धीरे विस्तृत हो रहा है।

1. प्रतिकर्षी कारक :-

(i) शहर की बढ़ती जनसंख्या :-

- उदा- दिल्ली की जनसंख्या 3 करोड़ से अधिक किन्तु क्षेत्रफल लगभग 1800 किमी².

(ii) शहरों के वातावरण में ह्रास -

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

- वातावरणीय अवनयन, प्रदूषकों की अधिक मात्रा आदि

(iii) परिवहन की सुविधाओं का विराम :-
- परिवहन साधनों के कारण लोग बाहरी क्षेत्रों की ओर जाना चाहते हैं।

(iv) संसाधनों का ह्रास -
- जनसंख्या वृद्धि के कारण संसाधनों का अतिदोहन

(v) बढ़ी हुई आय :-
- आय के बढ़ने के कारण लोग बाहरी क्षेत्रों की ओर भूमि खरीदते हैं।

2. आकर्षी कारक :-

(i) बेहतर शांति व्यवस्था :-
- बाह्य क्षेत्र (CBD से बाहर) में लोग शांतिप्रिय रहते हैं

(ii) उचित पर्यावरणीय गुणवत्ता :-
- पर्यावरण की स्वच्छता के कारण लोग बाहरी क्षेत्रों की ओर अधिक गमन करना प्रारम्भ करते हैं।

3 उच्च (iii) आसन्न
लोगों के
शहर के मध्य
आवासीय निकाय
परिधि-भाग में निवास
शहरों का विस्तार

जनसंख्या का निम्न दबाव :-

बाहरी क्षेत्रों में जनसंख्या का अधिवितरण करने हेतु

(प्रवासी) **लोगों के लिए भूमि की उपलब्धता :-**

प्रवासी व्यक्तियों द्वारा सामान्यतः मुख्य शहर के बाहर की ओर (निवासी) भूमि किराये पर ली जाती है।

समस्याएं :-

1. **बाह्य भूमि पर दबाव :-**
   - प्रारम्भ में कम किन्तु निरन्तर बढ़ते दबाव के कारण अन्ततः यह क्षेत्र अत्याधिक दबाव युक्त हो जाता है।

2. **संसाधनों का ह्रास -**
   - धीरे धीरे गैर-नवीकरणीय संसाधन समाप्त होने लगते हैं।
   - शहर का अन्य क्षेत्र की ओर प्रसार होता है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

3. प्रशासनिक समस्या :-

- सामान्यतः नगरपालिका करों से कुप्रबंधन के कारण प्रशासन आसान नहीं
- मलिन बस्तियों का निर्माण

4. अपशिष्ट कुप्रबंधन -

- इन क्षेत्रों में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए विशेष तकनीकों का अभाव होता है।

संभावित उपाय → सेटेलाइट शहर
→ अनुषंगी नगर
→ JNNURM
→ RURBAN मिशन
→ प्रवास प्रबन्धन
→ सॉफ्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर

भारतीय शहर जनसंख्या के कारण परिधि की ओर प्रसारित हो रहे हैं जिन्हें नियोजित करने की आवश्यकता है।

स्थानीय / शहरों के अनियंत्रित विकास से होती लगभग भूमि का विस्तार

10/20

Page

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(7) (b)

सांस्कृतिक क्षेत्रों से आप क्या समझते हैं? कुछ प्रकारों पर चर्चा करें।

सांस्कृतिक क्षेत्रों से आशय उन क्षेत्रों से है जिनमें समांगी संस्कृति का विकास होता है। इन स्थानों के लोग आपस में समांग अनुभव करते हैं।

भारत के सांस्कृतिक क्षेत्र:

- भारत के सांस्कृतिक क्षेत्रों को विभिन्न भागों में विभक्त किया जा सकता है।

1. कश्मीरी सांस्कृतिक प्रदेश -
   - भारत के जम्मू कश्मीर क्षेत्र में स्थित
   - कश्मीरी लोग मुख्यतः मुस्लिम धर्म का पालन, भाषा सामान्यतः कश्मीरी अथवा उर्दू

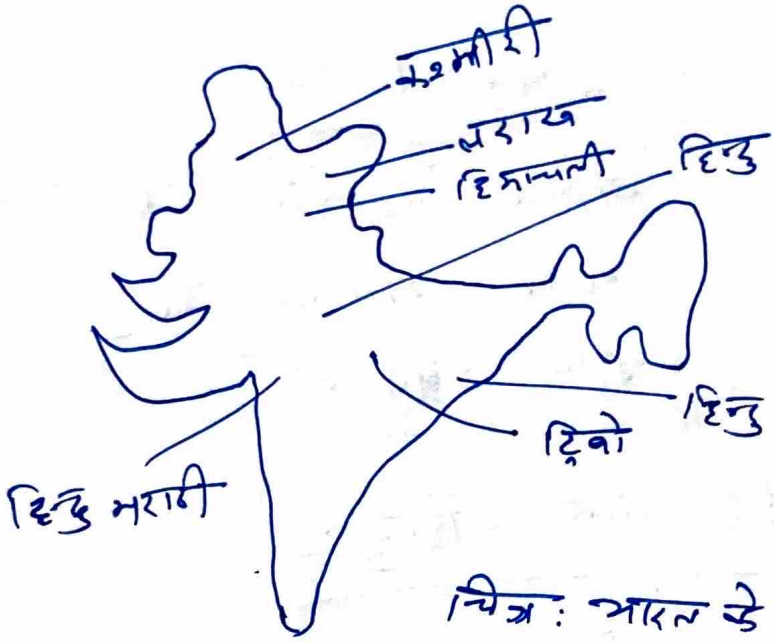

चित्र: भारत के सांस्कृतिक क्षेत्र

2. लद्दाखी - सांस्कृतिक क्षेत्र :-
- लद्दाख संघ शासित प्रदेश है
- मुख्यतः बौद्ध धर्म को मानने वाले
- तिब्बत एवं अन्य क्षेत्रों से समता
- गोम्पा आदि में विश्वास

3. हिंदू मराठी -
- भारत के महाराष्ट्र क्षेत्र में
- महाराष्ट्र में लगभग 93% लोग मराठी भाषी
- धर्म - हिंदू

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

4. हिन्दु बंगाली :-

- बंगाल के क्षेत्रों में प्रसिद्ध
- धर्म - मुख्यत: हिन्दु
- भाषा - बंगाली

5. हिमाचली - हिन्दु :-

- हिमाचल व उत्तराखण्ड क्षेत्र में विस्तृत
- उत्तराखण्ड को देव भूमि भी कहा जाता है।
- मुख्यत: पहाड़ी भाषा का प्रयोग

भारत के विभिन्न सांस्कृतिक प्रदेशों को अपने अन्दर समाहित कर लिया है जो इनकी विविधता को एकता को प्रतिबिम्बित करते हैं।

प्रकारों की भी चर्चा

- औपचारिक क्षेत्र
- कार्यात्मक क्षेत्र
- बहुलवाद
- सांस्कृतिक भौगोलिक

3/15

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

ग्रामीण - शहरी सीमा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच एक संक्रमणकालीन क्षेत्र है। इसमें विविध भूमि उपयोग, विविध सामाजिक और जनसांख्यिकीय विशेषताओं पर चर्चा करो।

ग्रामीण - शहरी सीमा क्षेत्र शहरों से ग्रामीण क्षेत्र की ओर जाने पर संक्रमणकारी क्षेत्र होता है जो अभी पूर्णतः शहर में परिवर्तित नहीं हुआ है।

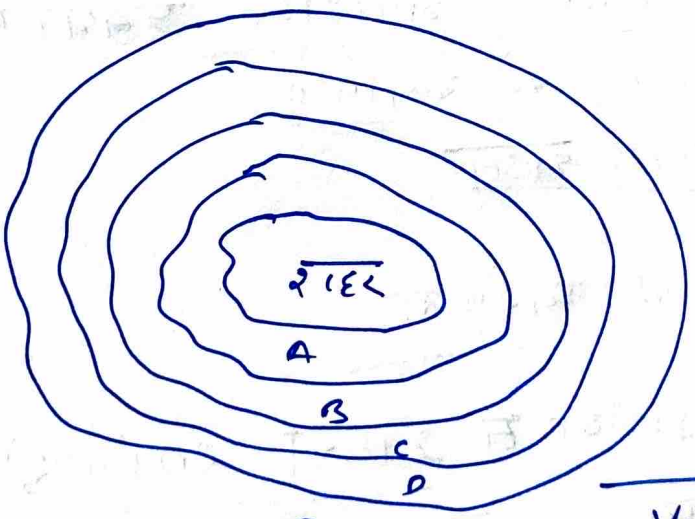

चित्र: ग्रामीण - शहरी सीमा

A - आन्तरिक फ्रिंज
B - बाह्य फ्रिंज
C - शहरी प्रभाव क्षेत्र
D - संक्रमण क्षेत्र

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

ग्रामीण क्षेत्र → ग्रामीण भू उपयोग परिवर्तन
↓
शहरी व्यावसायिक परिवर्तन → शहरी भूमि उपयोग → शहरी-ग्रामीण क्षेत्र

चित्र: शहरी-ग्रामीण सीमा विकास

आर्थिक उपयोग :-

- कृषि आदिक से वाणिज्यिक रूप में
- उन्नत कृषि - बागवानी - फल सब्जी
- ट्रांसपोर्ट, अपार्टमेंट, डंपन संयंत्र आदि
- MNCs की स्थापना
- फार्म हाउस

सामाजिक विशेषता :-

- ग्रामीण से शहरी समाज की ओर परिवर्तन
- ग्रामीण व शहरी सोच का संक्रमण
- धर्म व तर्क का समावेश
- शिक्षा → नैतिक व तकनीकी
- परिवार - संयुक्त परिवार

(प्रश्न [illegible] सुविधाएं पर्याप्त [illegible] से विकसित नहीं हुई)

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

जनांकिकीय विशेषता :-

- शहर - ग्रामीण प्रवास के कारण जनांकिकीय परिवर्तन
- जनसंख्या में कौशल की कमी
- मुख्य व्यवसाय कृषि
- लिंगानुपात की कमी
- जनसंख्या घनत्व में धीरे-धीरे वृद्धि <500

लक्षण -
लिंगानुपात >800
वृद्धिदर >50%
घनत्व <500

→ अंतिम छोर तक बस या अन्य परिवहन साधन की उपलब्धता के कारण लोग बाह्य क्षेत्र में बसना पसंद करते हैं।

दिल्ली के चारों ओर मानेसर विकास ने नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं किंतु विनियमन की आवश्यकता है।

प्रशासन की दृष्टि से ग्रामीण-शहरी सीमा अस्पष्ट का क्षेत्र माना जाता है
जोनिंग
आवासीय गतिविधियाँ अधिक

6/15